

CORPORATE OFFICE

Delhi Office

706 Ground Floor Dr. Mukherjee
Nagar Near Batra Cinema Delhi -
110009

Noida Office

Basement C-32 Noida Sector-2
Uttar Pradesh 201301



दिनांक: 30 अक्टूबर 2023

क्षेत्रीय संपर्क सेवा-उड़ान

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "क्षेत्रीय संपर्क सेवा-उड़ान - उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक)" शामिल हैं। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के "अर्थव्यवस्था" अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:

- क्षेत्रीय संपर्क सेवा-उड़ान क्या है?

मुख्य परीक्षा के लिए:

- सामान्य अध्ययन- 3:
- अर्थव्यवस्था बुनियादी ढांचा:
- हवाई अड्डे

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में, भारत सरकार की क्षेत्रीय संपर्क सेवा-उड़ान (RCS) - उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) ने 2023 में छह सफल वर्ष मनाकर देश के विमानन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है।

क्षेत्रीय संपर्क सेवा -उड़ान(उड़े देश का आम नागरिक)

- उड़े देश का आम नागरिक (UDAN) को नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) द्वारा 2016 में भारत की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति (NCAP) के एक महत्वपूर्ण तत्व के रूप में पेश किया गया था।

उद्देश्य:

- क्षेत्रीय मार्गों पर आर्थिक रूप से टिकाऊ और लाभदायक उड़ान सेवाओं की स्थापना करना, आम जनता के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाना, यहां तक कि छोटे शहरों में भी।
- यह योजना भारत में उन हवाई अड्डों तक संपर्क का विस्तार करने के लिए डिज़ाइन की गई है जो या तो कम सेवा वाले हैं या कम सेवित हैं।
- कम सेवा वाले हवाई अड्डों में एक से अधिक दैनिक उड़ानें नहीं हैं, जबकि अप्रयुक्त हवाई अड्डों में कोई उड़ान संचालन नहीं है।
- उड़ान के विकास ने इसे उड़ान 1.0 से उड़ान 5.2 तक प्रगति करते हुए देखा है, जिसमें प्रत्येक पुनरावृत्ति विशिष्ट चुनौतियों और आवश्यकताओं को संबोधित करती है।

उड़ान संस्करण मुख्य विशेषताएं-

उड़ान 1.0:

- 5 एयरलाइन कंपनियों ने 70 हवाई अड्डों को 128 उड़ान मार्गों का ठेका दिया, जिसमें 36 नए परिचालन हवाई अड्डे शामिल हैं।

उड़ान 2.0 :

- हेलीपैड कनेक्टिविटी सहित 73 कम सेवित और अप्रयुक्त हवाई अड्डों की शुरुआत।

उड़ान 3.0:

- पर्यटन मंत्रालय के साथ समन्वय में पर्यटन मार्गों को शामिल करना।
- जल हवाई अड्डों को जोड़ने के लिए सीप्लेन की शुरुआत।

- पूर्वोत्तर क्षेत्र में विभिन्न मार्गों को शामिल करने के लिए योजना का विस्तार।

उड़ान 4.0:

- उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों, पहाड़ी राज्यों और द्वीपों में कनेक्टिविटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना, हेलीकॉप्टर और सीप्लेन संचालन का समावेश।

उड़ान 5.1:

- हेलीकॉप्टर मार्गों के लिए अवसरों का सृजन और हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों के लिए संभावनाओं का विस्तार, व्यवहार्यता अंतराल वित्तपोषण (वीजीएफ) में वृद्धि और हवाई किराया सीमा में कमी।

उड़ान 5.2 (चल रहा):

- छोटे विमानों (20 सीटों से कम) पर विशेष जोर देने के साथ दूरस्थ और क्षेत्रीय क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार करना।

विमानन उद्योग पर क्षेत्रीय संपर्क सेवा-उड़ान का प्रभाव:

- **विस्तारित बेड़े:** आरसीएस-उड़ान ने एयरबस, बोइंग, एटीआर, डीएचसी, एम्ब्रेयर और टेकनम मॉडल सहित आरसीएस मार्गों की सेवा करने वाले विमान बेड़े में विविधता लाई है। भारतीय विमानन कंपनियों ने अगले दशक के लिए 1,000 से अधिक विमानों का ऑर्डर दिया है, जिससे देश के बेड़े में काफी विस्तार हुआ है।
- **पर्यटन संवर्धन:** आरसीएस-उड़ान न केवल अंतिम मील कनेक्टिविटी प्रदान करता है, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा देता है। इसने विशेष रूप से पूर्वोत्तर में पर्यटन मार्गों की शुरुआत की है, और पहाड़ी क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर सेवाओं का विस्तार किया है, पर्यटन, आतिथ्य और स्थानीय आर्थिक विकास को प्रोत्साहित किया है।
- **कनेक्टिविटी:** आरसीएस-उड़ान ने 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 75 परिचालन हवाई अड्डों से जोड़ा है, जिसमें पूर्वोत्तर में आठ हवाई अड्डे शामिल हैं। दरभंगा, हुबली, कन्नूर और मैसूरु जैसे कई हवाई अड्डे गैर-आरसीएस वाणिज्यिक उड़ानों के साथ आत्मनिर्भर हो गए हैं, जिससे कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास में वृद्धि हुई है।
- **एयरलाइंस विकास:** पिछले छह वर्षों में चार नई एयरलाइंस खोली गई हैं, जो एक स्थायी विमानन व्यवसाय मॉडल को बढ़ावा देती हैं।
- **विविध विमान की मांग:** योजना के विस्तार ने हेलीकॉप्टरों और सीप्लेन से लेकर प्रोपेलर और जेट विमानों तक विभिन्न विमान प्रकारों की मांग को बढ़ावा दिया है।

क्षेत्रीय संपर्क सेवा-उड़ान के सामने आने वाली चुनौतियां:

- **अवसंरचनात्मक बाधाएं:** दूरदराज के क्षेत्रों में, अपर्याप्त हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे को हवाई यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए महत्वपूर्ण उन्नयन की आवश्यकता होती है।
- **उच्च परिचालन लागत:** दूरदराज के क्षेत्रों में परिचालन में उच्च लागत शामिल है जो एयरलाइन सेवाओं की लाभप्रदता को प्रभावित कर सकती है।
- **हवाई किराए की सीमा:** हवाई किराए की सीमा एयरलाइन राजस्व को प्रतिबंधित कर सकती है, संभावित रूप से विशिष्ट मार्गों पर सेवाओं को हतोत्साहित कर सकती है।
- **वाणिज्यिक व्यवहार्यता:** कुछ मार्ग सब्सिडी के साथ भी एयरलाइंस को लाभप्रद रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक मांग प्रदर्शित नहीं करते हैं।
- **मार्ग समाप्ति:** कई आरसीएस मार्गों ने परिचालन बंद कर दिया है, जिससे योजना की स्थिरता के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं।

राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति (एनसीएपी) 2016:-

राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति (एनसीएपी) 2016 भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र को विकसित करने के लिए एक व्यापक ढांचा है।

दृष्टि:

- एनसीएपी 2016 में 2022 तक 30 करोड़ और 2027 तक 50 करोड़ घरेलू टिकटिंग के लक्ष्य के साथ जनता के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की परिकल्पना की गई है।
- इसका लक्ष्य 2027 तक अंतरराष्ट्रीय टिकटिंग को 20 करोड़ तक बढ़ाना है।

मिशन:

- एनसीएपी का मिशन यात्रियों और कार्गो परिवहन के लिए सुरक्षित, सस्ती और टिकाऊ हवाई यात्रा सुनिश्चित करना है, जो भारत और दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंच प्रदान करता है।

उद्देश्यों:

- एनसीएपी का उद्देश्य नागरिक उड्डयन क्षेत्र में पर्याप्त विकास को चलाने, पर्यटन को बढ़ावा देने, रोजगार पैदा करने और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए एक एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना है।
- यह प्रौद्योगिकी के उपयोग और प्रभावी निगरानी के माध्यम से विमानन उद्योग की सुरक्षा, सुरक्षा और स्थिरता को भी प्राथमिकता देता है।

प्रभाव:

- विमानन में वृद्धि का एक महत्वपूर्ण गुणक प्रभाव होने की उम्मीद है, जिससे निवेश, पर्यटन और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी, खासकर अकुशल और अर्ध-कुशल श्रमिकों के लिए।
- यह नीति 2022 तक भारत को नागरिक उड्डयन के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक कदम है।

उड़ान ने दूरदराज के क्षेत्रों में हवाई संपर्क बढ़ाया है, एयरलाइन विकास को प्रोत्साहित किया है, और भारत के विमानन उद्योग में पर्यटन को बढ़ावा दिया है। हालांकि, वाणिज्यिक व्यवहार्यता और एयरलाइन स्थिरता से संबंधित चुनौतियां बनी हुई हैं। छोटे क्षेत्रों में निरंतर हवाई संपर्क सुनिश्चित करने के लिए, सरकार, उद्योग हितधारकों और स्थानीय अधिकारियों के बीच सहयोग महत्वपूर्ण है। प्रमुख फोकस क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा, सब्सिडी, संचालन और जागरूकता शामिल होनी चाहिए।

स्रोत: नागरिक उड्डयन मंत्री और सभी के लिए सुलभ हवाई यात्रा

दैनिक अभ्यास प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01. उड़े देश का आम नागरिक (UDAN) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. उड़ान योजना नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा लागू की गई है।
2. इसका उद्देश्य क्षेत्रीय मार्गों पर आर्थिक रूप से टिकाऊ और लाभदायक उड़ान सेवाएं स्थापित करना है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (C)

प्रश्न-02. उड़ान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उड़ान योजना भारत की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति (एनसीएपी) 2016 पर आधारित है।
2. कनेक्टिविटी में सुधार के लिए इसमें हेलीकॉप्टर और सीप्लेन संचालन भी शामिल है।
3. इस योजना का उद्देश्य भारत में उन हवाई अड्डों तक कनेक्टिविटी का विस्तार करना है जहां दस से अधिक दैनिक उड़ानें नहीं हैं।

कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) तीनों
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (B)

दैनिक मुख्य अभ्यास प्रश्न-

प्रश्न-03. भारत की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति (एनसीएपी) 2016 के संदर्भ में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) – उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) की विश्लेषण कीजिए।

Rajiv Pandey

सैटेलाइट इंटरनेट

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "सैटेलाइट इंटरनेट" शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के "विज्ञान और प्रौद्योगिकी" अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:-

- सैटेलाइट इंटरनेट और इसके उपयोग क्या हैं?

मुख्य परीक्षा के लिए:-

- जीएस 2: विज्ञान और प्रौद्योगिकी

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में, रिलायंस जियो ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की, जिसमें भारत की पहली उपग्रह संचालित गीगाबिट इंटरनेट सेवा का प्रदर्शन किया गया। इस सफल तकनीक में देश के भीतर दूरस्थ और कठिन-से-पहुंच वाले क्षेत्रों में हाई-स्पीड इंटरनेट देने की क्षमता है।

उपग्रह इंटरनेट-

- सैटेलाइट इंटरनेट प्रौद्योगिकी पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले संचार उपग्रहों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली इंटरनेट एक्सेस का एक रूप है।
- यह उपयोगकर्ताओं को केबल या फाइबर ऑप्टिक कनेक्शन जैसे पारंपरिक स्थलीय तरीकों पर भरोसा किए बिना इंटरनेट से कनेक्ट करने की अनुमति देता है।

सैटेलाइट इंटरनेट का काम-

- एक इंटरनेट सेवा प्रदाता (आईएसपी) उपग्रहों को पृथ्वी के चारों ओर कक्षा में तैनात करता है।
- आईएसपी तब निम्न-पृथ्वी या उच्च-पृथ्वी कक्षा में इन उपग्रहों में से एक के माध्यम से प्रेषित संकेत पर निर्भर करता है। एक रणनीतिक रूप से रखा गया रिसेवर डिश, जो आकाश के अबाधित दृश्य के साथ स्थित है, इस संकेत को कैप्चर करता है।
- एक कार्यात्मक इंटरनेट कनेक्शन स्थापित करने के लिए, एक मॉडेम इस रिसेवर डिश से जुड़ा होता है, जो आने वाले सिग्नल का अनुवाद करता है।
- पारंपरिक हाई-स्पीड उपग्रह इंटरनेट विधियों में अक्सर लो-अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) उपग्रहों के नक्षत्र शामिल होते हैं, जो 250 से 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा करते हैं।
- इन उपग्रहों और पृथ्वी के बीच संचार रेडियो तरंगों के प्रसारण के माध्यम से होता है।

लाभ:-

- **वैश्विक कवरेज:** सैटेलाइट इंटरनेट भौगोलिक बाधाओं द्वारा प्रतिबंधित नहीं है, जिससे यह दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक आदर्श समाधान है जहां पारंपरिक ब्रॉडबैंड कनेक्शन अनुपलब्ध हैं।
- **उच्च गति:** हालांकि यह फाइबर-ऑप्टिक या केबल इंटरनेट की गति से मेल नहीं खा सकता है, उपग्रह प्रौद्योगिकी डायल-अप या डीएसएल कनेक्शन की तुलना में काफी तेज इंटरनेट प्रदान कर सकती है।
- **त्वरित तैनाती:** उपग्रह इंटरनेट को अपेक्षाकृत तेज़ी से तैनात किया जा सकता है, जिससे यह आपात स्थिति में और तेजी से कनेक्टिविटी की आवश्यकता वाले व्यवसायों के लिए एक मूल्यवान समाधान बन जाता है।

- **अतिरेक:** यह व्यवसायों के लिए बैकअप या अनावश्यक इंटरनेट कनेक्शन के रूप में काम कर सकता है, स्थलीय नेटवर्क विफल होने पर भी कनेक्टिविटी सुनिश्चित कर सकता है।

चुनौतियां और सीमाएं:-

- **विलंबता:** पृथ्वी और उपग्रहों के बीच लंबी दूरी के डेटा की यात्रा के कारण, उपग्रह इंटरनेट स्थलीय कनेक्शन की तुलना में उच्च विलंबता का अनुभव करता है, जिससे यह ऑनलाइन गेमिंग या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसे समय-संवेदनशील अनुप्रयोगों के लिए कम उपयुक्त हो जाता है।
- **लागत:** उपग्रह इंटरनेट सेवाएं पारंपरिक ब्रॉडबैंड की तुलना में अधिक महंगी हैं, जिसमें अक्सर उपकरण और स्थापना लागत शामिल होती है।
- **डेटा कैप:** कई सैटेलाइट इंटरनेट प्लान डेटा उपयोग प्रतिबंधों के साथ आते हैं, जो भारी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के लिए एक सीमित कारक हो सकता है।
- **मौसम हस्तक्षेप:** प्रतिकूल मौसम की स्थिति, जैसे कि भारी बारिश या बर्फबारी, उपग्रह संकेतों को बाधित कर सकती है, जिससे कनेक्टिविटी की समस्याएं हो सकती हैं।

खबर के बारे में अधिक:-

- हाल ही में इंडिया मोबाइल कांग्रेस में, रिलायंस जियो ने अपने नवीनतम तकनीकी नवाचार, जियोस्पेसफाइबर का अनावरण किया।
- लक्जमबर्ग स्थित उपग्रह संचार कंपनी एसईएस के साथ साझेदारी में विकसित यह उन्नत उपग्रह इंटरनेट प्रौद्योगिकी, इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए मध्यम पृथ्वी कक्षा (एमईओ) उपग्रहों का उपयोग करती है।
- एसईएस के ओ 3 वी और ओ 3 बी एमपावर नेटवर्क इस अभूतपूर्व पहल की नींव बनाते हैं, जो अंतरिक्ष से पारंपरिक फाइबर कनेक्शन की तुलना में इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने का दावा करते हैं।

रिलायंस जियो ने भारत में अपने उपग्रह आधारित गीगाबिट इंटरनेट का प्रदर्शन किया
प्रौद्योगिकी समाचार - द इंडियन एक्सप्रेस

दैनिक अभ्यास प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01. उपग्रह इंटरनेट प्रौद्योगिकी के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह उपयोगकर्ताओं को केबल या फाइबर ऑप्टिक कनेक्शन पर भरोसा किए बिना इंटरनेट से कनेक्ट करने की अनुमति देता है।
2. इन उपग्रहों और पृथ्वी के बीच संचार इन्फ्रा-रेड तरंगों के संचरण के माध्यम से होता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (A)

प्रश्न-02. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. वैश्विक कवरेज
2. ब्रॉडबैंड से भी तेज इंटरनेट
3. त्वरित परिनियोजन
4. मौसम का असर नहीं

उपर्युक्त में से कितने सैटेलाइट इंटरनेट के लाभ हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो

- (c) केवल तीन
(d) उपर्युक्त सभी।

उत्तर: (B)

दैनिक अभ्यास मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03. इस क्षेत्र में भारत के हाल के विकास के संदर्भ में उपग्रह इंटरनेट प्रौद्योगिकी के महत्व और चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

Rajiv Pandey

